पुरूषोत्तम शक्ति प्राप्ति साधनायें

श्रीराम के बिना शायद **पाप** और **पुण्य, बुराई** और **अच्छाई** की कहानी **अपूर्ण** रह जाती। **मर्यादा पुरूषोत्तम राम** का **सम्पूर्ण जीवन** आज भी प्रेरणा का स्वरूप है। पिता का पुत्र के प्रति कर्त्तव्य, भाई का भाई के प्रति कर्त्तव्य, पति का पत्नी के प्रति कर्त्तव्य, पिता की वचनबद्धता निभाने के कारण राज-पाट छोड़ **14 वर्ष** का वनवास काटना, विषम परिस्थितियों में **धैर्यवान, ओजस्वी, तेजस्वी स्वरूप,** जैसी अनेकों क्रियाओं के फलस्वरूप ही **राम मर्यादा पुरूषोत्तमय** बने है।

मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम का जन्मोत्सव **राम नवमी पर्व** सम्पूर्ण हिन्दू समाज के लिये गर्व का विषय है। भगवान श्रीराम का जीवन **करूणा, दया** और बिना किसी भेद-भाव के प्राणी मात्र के महत्त्व और कल्याण का मार्ग है। उनका प्रकटोत्सव दिवस राम नवमी **धर्म** और **कर्त्तव्य** का निर्धारण दिवस कहलाता है। **शिलारूपी अहिल्या** को अपने चरणकमल की धूल से **अभिशाप मुक्त** किया। उन्होंने **शबरी** के जूठे बेर खाने में जहाँ संकोच नहीं किया वही **निषाद** को गले लगाकर दलित उद्धार का संदेश दिया।

उस युग में राम को **वशिष्ठ, विश्वामित्र, जनक, परशुराम, सीता** और **वाल्मिकी** ने जाना कि **राम परब्रह्म** है। जन्म के समय स्वयं राम ने अपना **चतुर्भुज स्वरूप** कौशल्या को दिखा दिया। ऐसी ही जीवन में चतुर्वग रूप में पूर्णता प्राप्ति हेतु इस **चैत्रीय नवरात्रि** में विशेष रूप से **रामनवमी पर्व** पर **साधनायें** करने से **पुरूषोत्तममय** बनने की स्थितियाँ निर्मित होती है।

भय रहित जीवन प्राप्ति हेतु

जीवन में कई बार ऐसी **घटनाये** भी घटती हैं, जिनसे व्यक्ति विचलित हो जाता है। उन परिस्थितियों में अविचलित भाव से खड़े रहने का **उचित** और **अनुचित** निर्णय लेने का सामर्थ्य प्राप्त हो सकता है।

10 अप्रैल अथवा किसी भी **मंगलवार** को प्रात: 6 से 9 के मध्य अपने पूजा स्थान में **भयमुक्ति स्वरूप दुर्गा यंत्र** को स्थापित कर संक्षिप्त पूजन करें निम्न मंत्र की **5 माला** 6 दिन तक **हनुमान शक्ति माला** से जप करें।

मंत्र

॥ ॐ हुं भवभय हरे ॐ हनुमते फट् ॥

न्यौछावर ₹840

आरोग्यता प्राप्ति हेतु

आप प्रत्यक्ष **रोग** से परेशान है और इलाज करवा कर थक चुके है। फिर भी आपका रोग किसी को समझ नहीं आ रहा

है तो आप **'ललिताम्बा यंत्र'** को किसी वस्त्र में बांध कर बायें हाथ में रखकर मूट्ठी बंद कर **उत्तर दिशा** की ओर मुंह कर निम्न मंत्र की **3 माला** 7 दिन तक **आरोग्यता माला** से जप करें।

मंत्र

॥ ॐ क्रीं क्रीं रोगनाशाय क्रीं फट् ॥

न्यौछावर ₹ 740

प्रेम सौन्दर्य में वृद्धि हेतु

जहां जीवन में **प्रेम वर्षा** नहीं होती, वह जीवन अधूरा होता है। प्रणय और प्रेम की अधिष्ठात्री देवी **गौरी** को माना गया है। गौरी का स्वरूप ही **यौवनमय, कान्तिमय** तथा **प्रणय** से ओत-प्रोत है। **प्रेम** जीवन का **आधारभूत सत्य** है।

साधक किसी भी **सोमवार** को पूर्व की ओर मुख करके बैठ जाये। **गुरू** और **गणपति** पूजन कर। एक ताम्रपात्र में चावल ढ़ेरी पर **'सौन्दर्य गुटिका'** को स्थापित कर संक्षिप्त पूजन करें। इसके पश्चात् निम्न मंत्र का **9 दिन** तक **7 माला 'प्रेमाल्य माला'** जप करें।

मंत्र

॥ ॐ गं गौर्ये मनोरथ सिद्धिं देहि गं नमः ॥

न्यौछावर ₹ 610

शत्रु वशीकरण हेतु

जीवन है तो **बाधाये** आती रहती हैं। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को **दैवीय शक्तियों** का उपयोग करना चाहिये। जीवन में प्रत्येक **बाधा** को सरलता पूर्वक पार कर लेता है।

रामनवमी या किसी भी **रविवार** को **दक्षिण दिशा** की ओर मुँह कर **लाल आसन** पर बैठें। सामने किसी पात्र में **इन्द्राक्षी यंत्र** को स्थापित करके **स्नान, तिलक, धूप, दीप** एवं **पुष्प** से पूजन करें। इसके बाद **'शत्रु माला'** से मंत्र की **5 माला** जप करें।

मंत्र

॥ ॐ भ्रं शत्रु वशीकरणाय भ्रं फट् ॥

न्यौछावर ₹ 640

कामदेव शक्ति हेतु

आनन्द रस इस जीवन में निरन्तर बरसता रहे। गृहस्थ जीवन में **कामदेव शक्ति** से ही **सृजन** का कार्य होता है, काम के द्वारा ही व्यक्ति सांसारिक जीवन का विकास सही स्वरूप में कर पाता है।

यह साधना किसी भी **रविवार** को सम्पन्न करे। सामने बाजोट पर **पीला वस्त्र** बिछाकर चावलों की ढ़ेरी पर **'कामाया शक्ति जीवट'** स्थापित कर गुटिका का संक्षिप्त पूजन सम्पन्न करें। पूजन क्रम के पश्चात् **'मंजरी माला'** से **5 माला** मंत्र जप **21 दिन** तक करें।

मंत्र

॥ ॐ क्लीं अनंगशक्ति देहि देहि फट् ॥

नित्य मंत्र जप के पश्चात् **माला** और **गुटिका** को गले में धारण करें।

न्यौछावर ₹ 620

बल, बुद्धि वृद्धि हेतु

बल, बुद्धि, पराक्रमी, संकटो का नाश करने वाले और **दुःखों को दूर करने** वाले **महावीर** हैं। मन के साथ-साथ शरीर भी ऐसा **तेजस्वी, बलवान** और **निरोगी** हो कि आत्मविश्वास से युक्त शक्ति का सौन्दर्य, ज्ञान की गंगा, धैर्य का सागर, सरस्वती की सिद्धि प्राप्त करता है। वही पूर्ण सफल होता हैं।

साधक किसी भी **बुधवार** को **उत्तर दिशा** की ओर मुंह करके **लाल आसन** पर प्रातः 6 से 8 बजे किसी पात्र में **क्लीं यंत्र** को स्थापित कर संक्षिप्त पूजन करें। इसके बाद **महावीर माला** से निम्न मंत्र की **5 माला** 7 दिनों तक जप करें।

मंत्र

॥ ॐ ऐं हुं मम बल बुद्धि देह सौन्दर्य ह्रीं ॐ फट् ॥

न्यौछावर ₹ 360

सौभाग्य प्राप्ति हेतु

सौभाग्य के क्षण जीवन में बहुत कम आते हैं और जो व्यक्ति इन **महत्वपूर्ण क्षणों** को पकड़ ले तो अपने जीवन की दिशा को बदल सकता है जीवन के **अभिशाप दुर्भाग्य समाप्ति** हेतु **काल शक्ति यंत्र** को स्थापित कर निम्न मंत्र की **6 माला** 3 दिन तक **सौभाग्य वृद्धि माला** से जप करें।

मंत्र

॥ ॐ ऐं ऐं श्रीं ह्रीं ह्रीं॥

न्यौछावर ₹ 490

षोडश कला पूर्ण जीवन प्राप्ति

षोडश कला पूर्ण का तात्पर्य है कि **साधक** में वो **सोलह कलाये** जाग्रत हो जो **भगवान श्रीकृष्ण** में थी। वही **धैर्य, सहनशीलता, वीरता, प्रेम, सम्मोहन, नीति, मर्यादा, आचरण, सद् चरित्र** साधक के जीवन में भी स्थापित हो और उसका जीवन भी पूर्ण हो सके।

किसी भी **सोमवार** को **साधना** प्रारम्भ करें और **गुलाबी रंग के वस्त्रों** का उपयोग करें। ताम्रपात्र में **अहंब्रह्मास्मी शक्ति यंत्र** स्थापित कर संक्षिप्त पूजन करें। निम्न मंत्र की **5 माला** 16 दिन तक **षोडश माला** से मंत्र जप करें।

मंत्र

॥ ॐ क्लीं हुं कला कलायें वल्लभाय फट् ॥

न्यौछावर ₹ 480